मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में मानव–वन्यजीव संघर्ष से जुड़े मामलों में रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए सभी जनपदों में पुनर्वास केंद्र खोले जाएंगे।
- उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों से लेकर मैदानी इलाकों तक कड़ाके की ठंड, जिलाधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश।
- मुख्यमंत्री ने 10वीं अन्तर्विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता–2025 का शुभारम्भ किया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का पलायन आयोग रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वन्यजीव

राज्य में लगातार बढ़ रहे मानव–वन्यजीव संघर्ष के मामलों में सरकार ने अहम निर्णय लिए है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मानव जीवन, कृषि, उद्यान फसलों और भौतिक संपत्तियों की सुरक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्रों में चरणबद्ध और योजनाबद्ध तरीके से सोलर फेंसिंग व सेंसर आधारित अलर्ट सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाथी, नीलगाय, भालू, गुलदार, बंदर और जंगली सुअर जैसे वन्यजीवों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जाएगा। इसके साथ ही वन्यजीवों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए प्रत्येक जनपद में वन विभाग आधुनिक वन्यजीव बंध्याकरण (नसबंदी) केंद्र स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि मानव–वन्यजीव संघर्ष से जुड़े मामलों में रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए सभी जनपदों में रिहैबिलिटेशन सेंटर खोले जाएंगे, जिसके लिए पर्वतीय क्षेत्रों में न्यूनतम 10 नाली और मैदानी क्षेत्रों में कम से कम एक एकड़ भूमि आरक्षित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी योजनाओं को शीर्ष प्राथमिकता पर लागू किया जाएगा और दो सप्ताह के भीतर क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी।

शीतलहर से बचाव

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों से लेकर मैदानी इलाकों तक कड़ाके की ठंड और शीतलहर का असर तेज हो गया है। तापमान में लगातार गिरावट के चलते आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलाधिकारियों को अलर्ट रहते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय जिलों के उन क्षेत्रों में जहां बर्फबारी की संभावना रहती है, वहां लोक निर्माण विभाग और संबंधित एजेंसियों को जेसीबी मशीनों और पर्याप्त मैनपावर की तैनाती किए जाएं, ताकि सड़कें अवरुद्ध न हों और आवागमन सुचारु बना रहे। इसके साथ ही शीतलहर से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख चौराहों पर अलाव जलाने, रैन बसेरों में सुविधाएं बढ़ाने और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टीबी मुक्त अभियान

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तहत गोद लिए गए 13 टीबी रोगियों को मासिक पोषण किट वितरित की। इस मौके पर राज्यपाल ने रोगियों से व्यक्तिगत बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें उपचार के दौरान नियमित पौष्टिक आहार और संतुलित जीवन शैली अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल ने पूर्व में सत्तर टीबी रोगी गोद लिए थे, जो पूरी तरह स्वस्थ होकर टीबी मुक्त हो चुके हैं। इस महत्वपूर्ण पहल को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने 13 और टीबी रोगियों को गोद लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश को टीबी मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक टीबी रोगी का निःक्षय मित्र बनकर उसके इलाज और पोषण में सहयोग करें, तो महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की जा सकती है। राज्यपाल ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। यह अभियान हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे हम सब मिलकर सफल बनाएंगे।

रिवर्स पलायन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रिवर्स पलायन पर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सकारात्मक असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। बड़ी संख्या में लोग आजीविका और बेहतर जीवन की संभावनाओं के चलते पुनः अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का पलायन आयोग प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है और रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के माध्यम से युवाओं और प्रवासियों को रोजगार से जोड़ने का काम किया गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

बैडमिंटन भुभारंभ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, परेड ग्राउंड में उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा आयोजित 10वीं अन्तर्विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता–2025 का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड हर क्षेत्र में देश के सामने एक उदाहरण बनकर उभर रहा है। राज्य परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है और नवाचारों, ऐतिहासिक निर्णयों व जनहितकारी नीतियों के माध्यम से विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

पुस्तकालय शिफ्ट

टिहरी जिले के बौराड़ी में स्थित श्रीदेव सुमन राजकीय पुस्तकालय बौराड़ी की दुर्लभ पुस्तकें पुस्तकालय से पृथक कर युवा कल्याण विभाग के स्टोर में रख दी गई हैं। ये पुस्तकें पुरानी व ऐतिहासिक महत्व की हैं, जिनमें आउट ऑफ प्रिंट, अप्रकाशित और दुर्लभ पाण्डुलिपियां भी शामिल हैं। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने बताया कि सुमन लाइब्रेरी में पचास हजार से ज्यादा पुस्तकें मौजूद हैं और करीब 7 हजार पुस्तकें दीमक लगने के लिए कारण निष्प्रयोज्य हो गई हैं।

खुली बैठक

बागेश्वर जिले की ग्राम सभा आरे में आज एक खुली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना रहा। खुली बैठक में अधिकारियों ने ग्रामीणों को राशन, पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता से संबंधित प्रावधानों और इसके ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को समझाया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान दीपक खेतवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रत्येक ग्राम सभा में खुली बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

स्थापना दिवस

अल्मोड़ा जिले सीमांत मुख्यालय रानीखेत में आज सशस्त्र सीमा बल का 62 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। सीमा सुरक्षा बल के उप महानिरीक्षक दुर्गा बहादुर सोनार ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर बल के उप महानिरीक्षक ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल ने हमेशा से सीमा सुरक्षा के साथ–साथ नागरिक कल्याण में भी उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। उन्होंने जवानों का आह्वान किया कि वे अपनी सेवा, सुरक्षा और भाईचारे के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए देश की अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखें। कार्यक्रम में सीमांत रानीखेत को बल मुख्यालय ने नागरिक कल्याण, राहत व बचाव कार्य के लिए सीमांत के ट्रॉफी भी प्रदान की ।